GEOGRAPHY INDIAN CH-01 : भारत की अवस्थिति और विस्तार

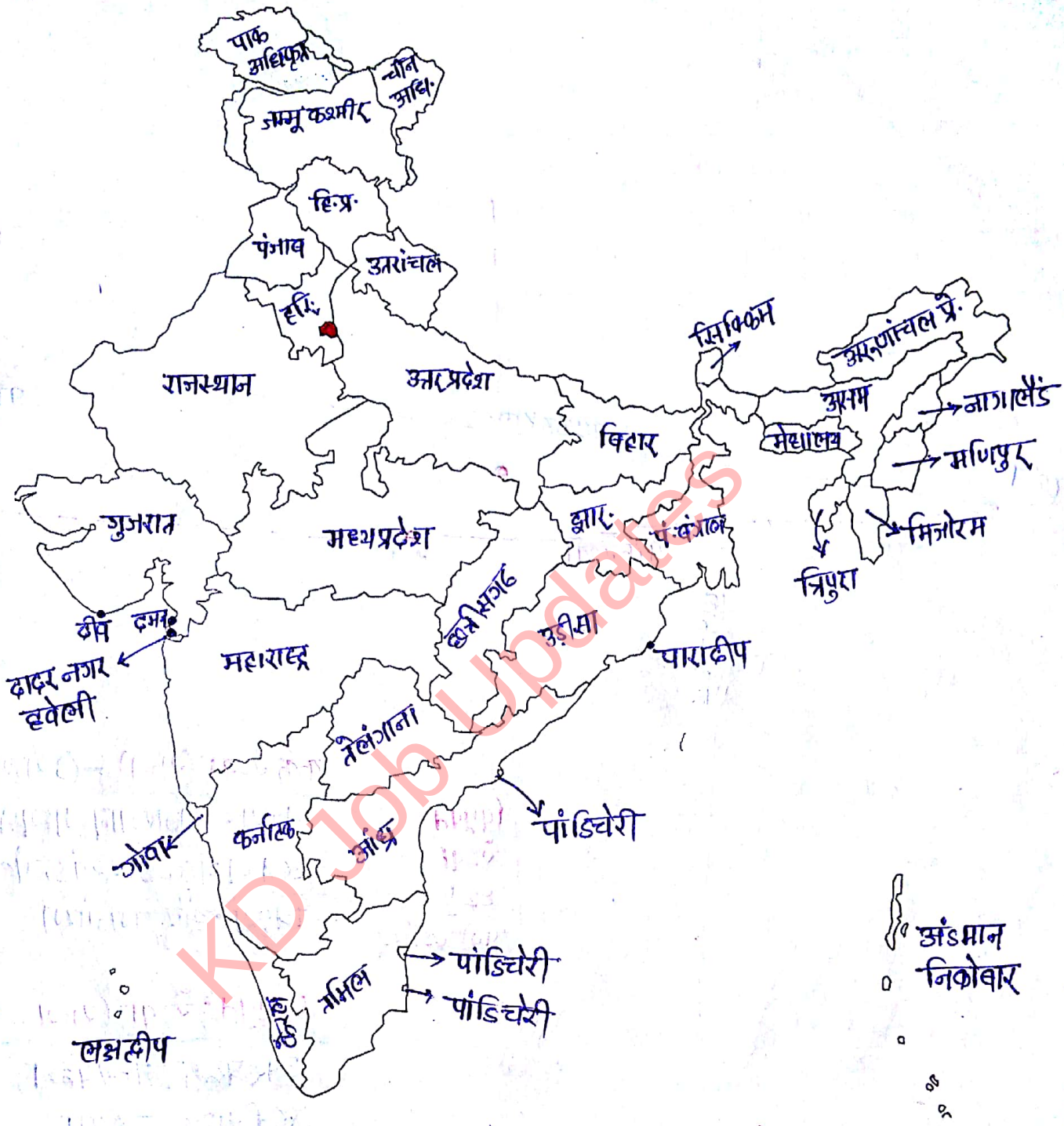

केन्द्रशासित प्रदेश

* अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह
* चंडीगढ़
* दमन और दीव
* दादरा और नगर हवेली
* पुडुचेरी
* लक्षद्वीप
* नई दिल्ली (दिल्ली)

KD Job Updates

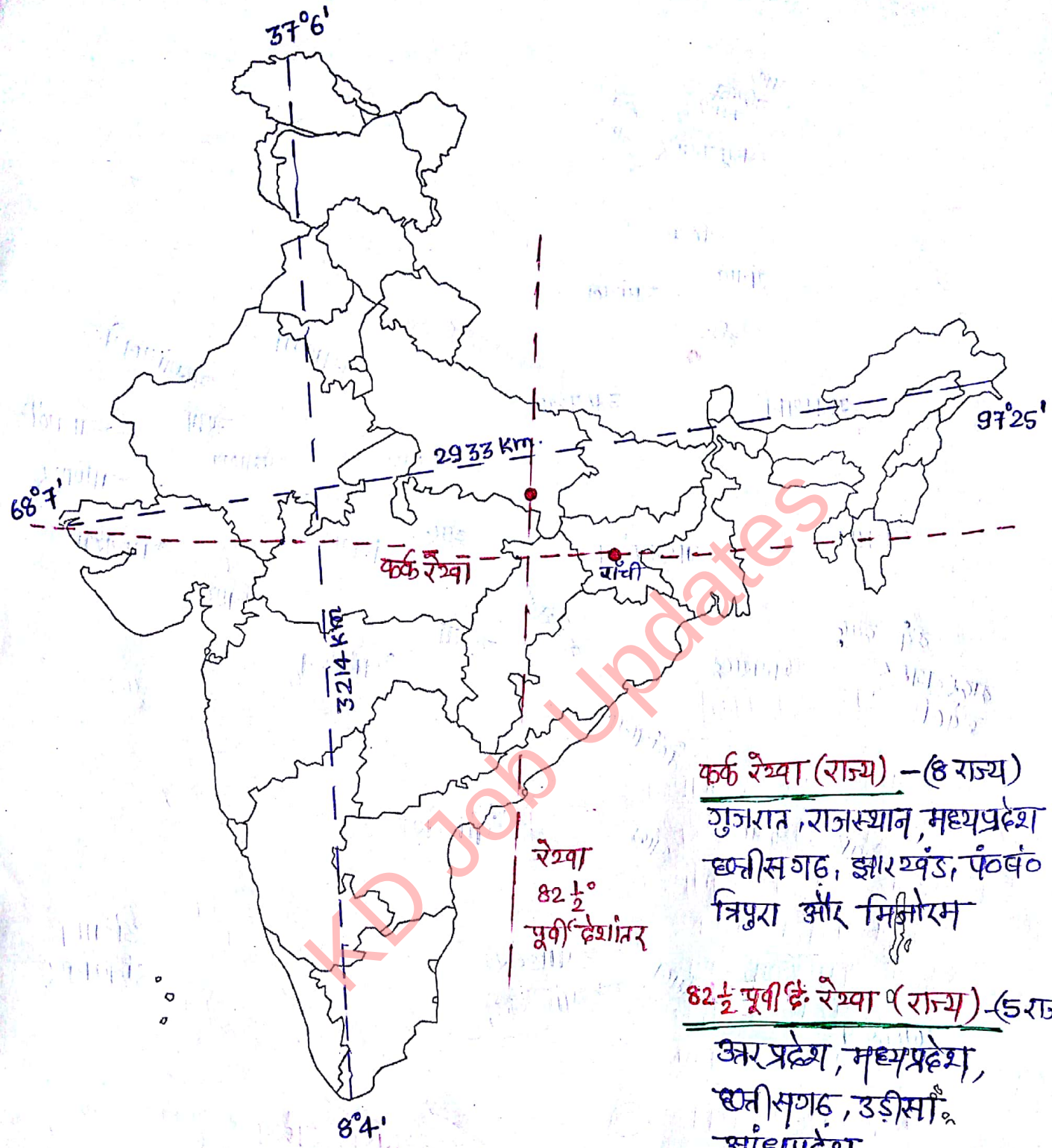

KD Job Updates

कर्क रेखा (राज्य) – (8 राज्य)
गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश
छत्तीसगढ़, झारखंड, पं० बं०
त्रिपुरा और मिजोरम

82½ पूर्वी दे० रेखा (राज्य) – (5 राज्य)
उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश,
छत्तीसगढ़, उड़ीसा,
आंध्रप्रदेश

भारत उत्तरी और पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित

विस्तार 8°4' उ. से 37°6' 30 तक

68°7' पूर्वी से 97°25' पूर्वी तक

∵ 1° → 4 min.

∴ 30° → 30×4 = 120 min.

= 2 घंटे

GEOGRAPHY CH-02 : ISLAND (भारत के द्वीप, मूंगा द्वीप, प्रवाल जीव)

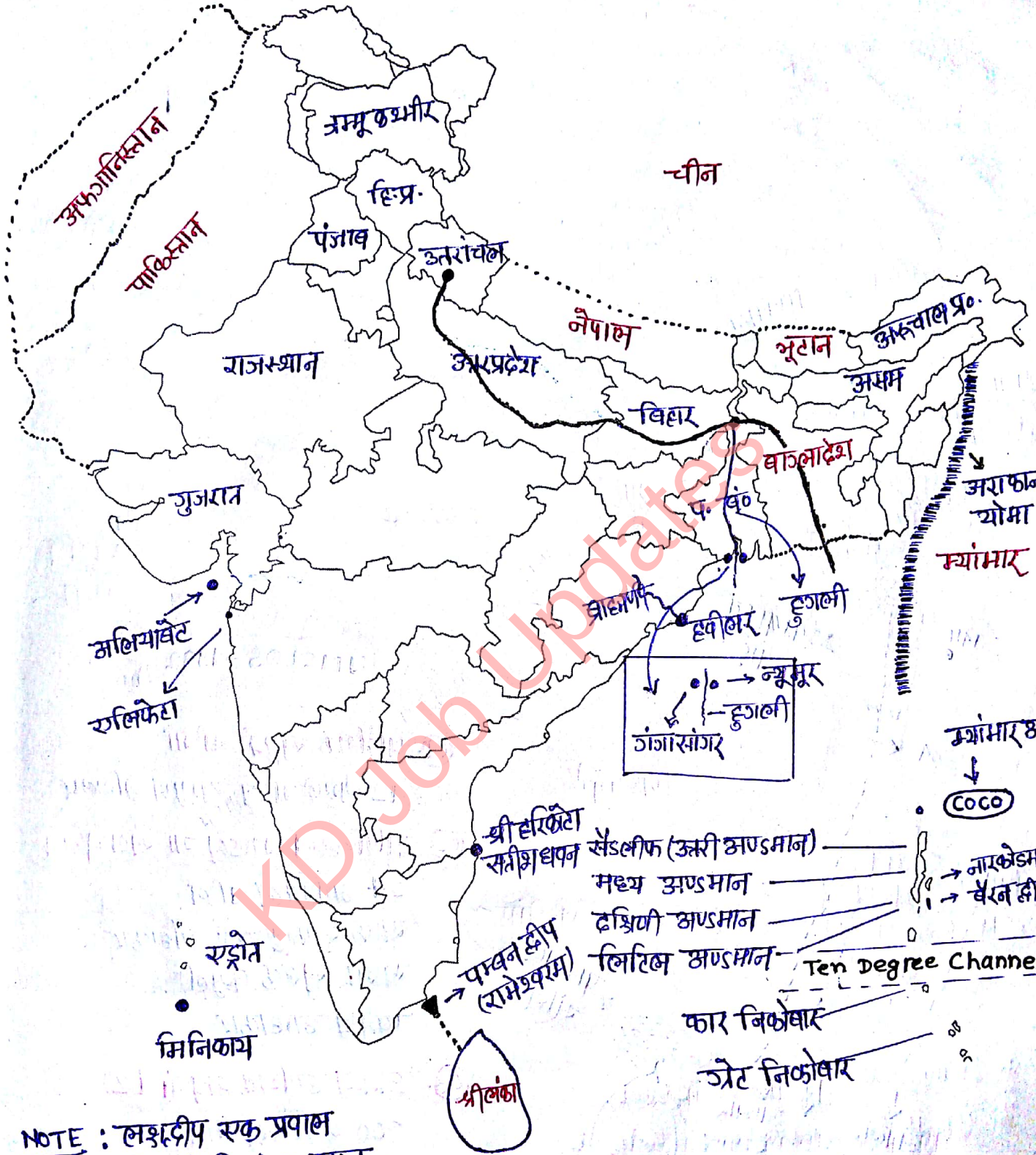

KD Job Updates

NOTE : लक्षद्वीप एक प्रवाल द्वीप है जो मूंगा चट्टान से बना है।

हल्दिया द्वीप → मिशाइल प्रेक्षण

श्रीहरिकोटी → ISRO का लाउचिंग पैड

: अंडमान निकोबार को मरकत द्वीप भी कहते हैं।

GEOGRAPHY INDIAN 03 : SEA, GULF, AND BAY

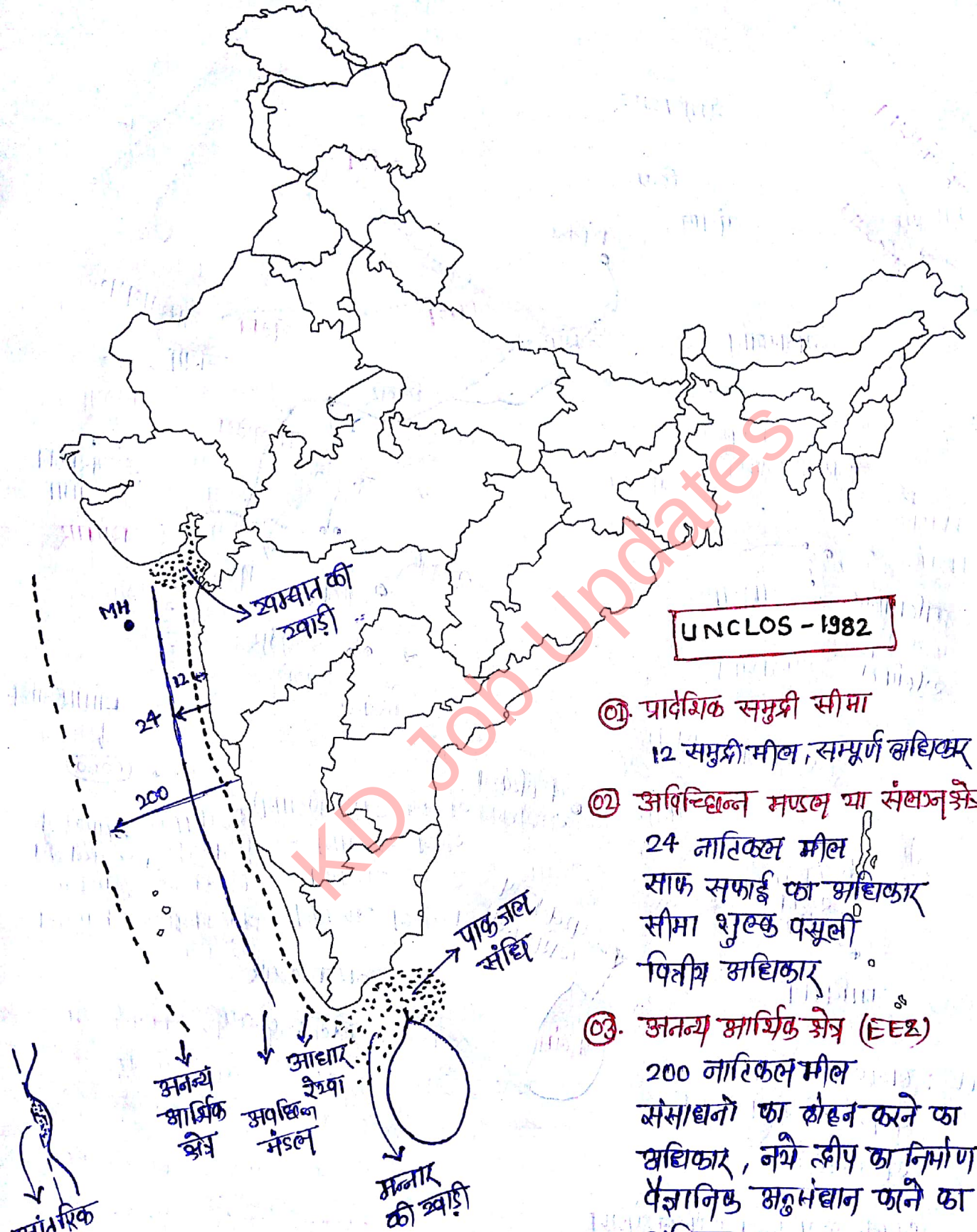

UNCLOS - 1982

(01) प्रादेशिक समुद्री सीमा
12 समुद्री मील, सम्पूर्ण अधिकार

(02) अविच्छिन्न मण्डल या संलग्न क्षेत्र
24 नाटिकल मील
साफ सफाई का अधिकार
सीमा शुल्क पर्यूली
वित्तीय अधिकार

(03) अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ)
200 नाटिकल मील
संसाधनों का दोहन करने का अधिकार, नये द्वीप का निर्माण वैज्ञानिक अनुसंधान करने का अधिकार

* खाड़ी : तीन ओर भू-भाग से घिरा

KD Job Updates

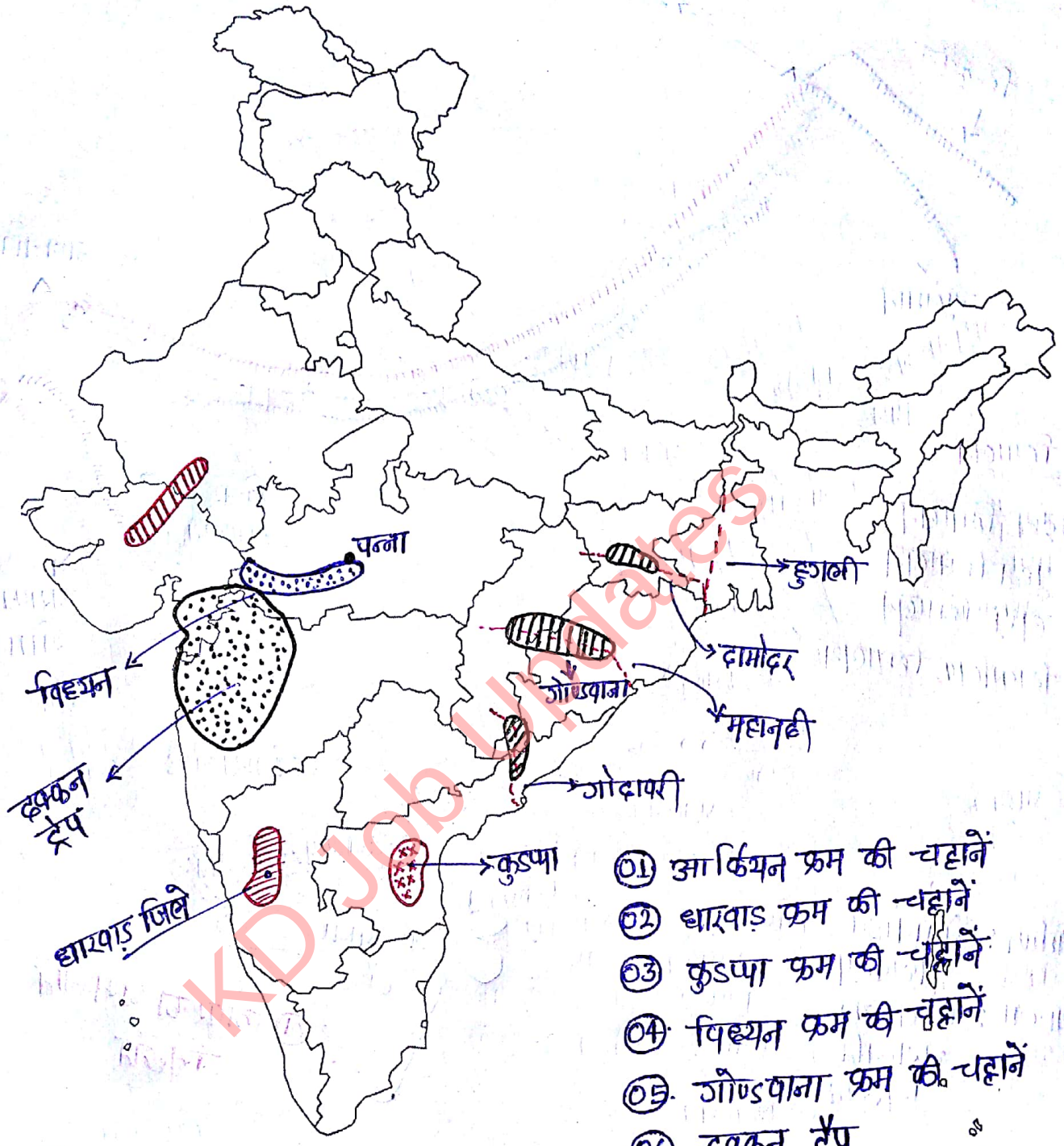

01 आर्कियन क्रम की चट्टानें
02 धारवाड़ क्रम की चट्टानें
03 कुडप्पा क्रम की चट्टानें
04 विंध्यन क्रम की चट्टानें
05 गोण्डवाना क्रम की चट्टानें
06 दक्कन ट्रैप

KD Job Updates

NOTE धारवाड़ चट्टान : समृद्ध चट्टान

- लोहा
- सोना
- मैंगनीज
- तांबा
- जस्ता
- टंगस्टन
- क्रोमियम

* सिंगरौली : आ.प्र.
तलचर : उड़ीसा
झरिया : झारखंड

कोयला : एन्थ्रेसाइट
: बिटूमिनस → भारत (98%)

GEOGRAPHY INDIAN CH-05 हिमालय उत्पति और विशेषताएँ

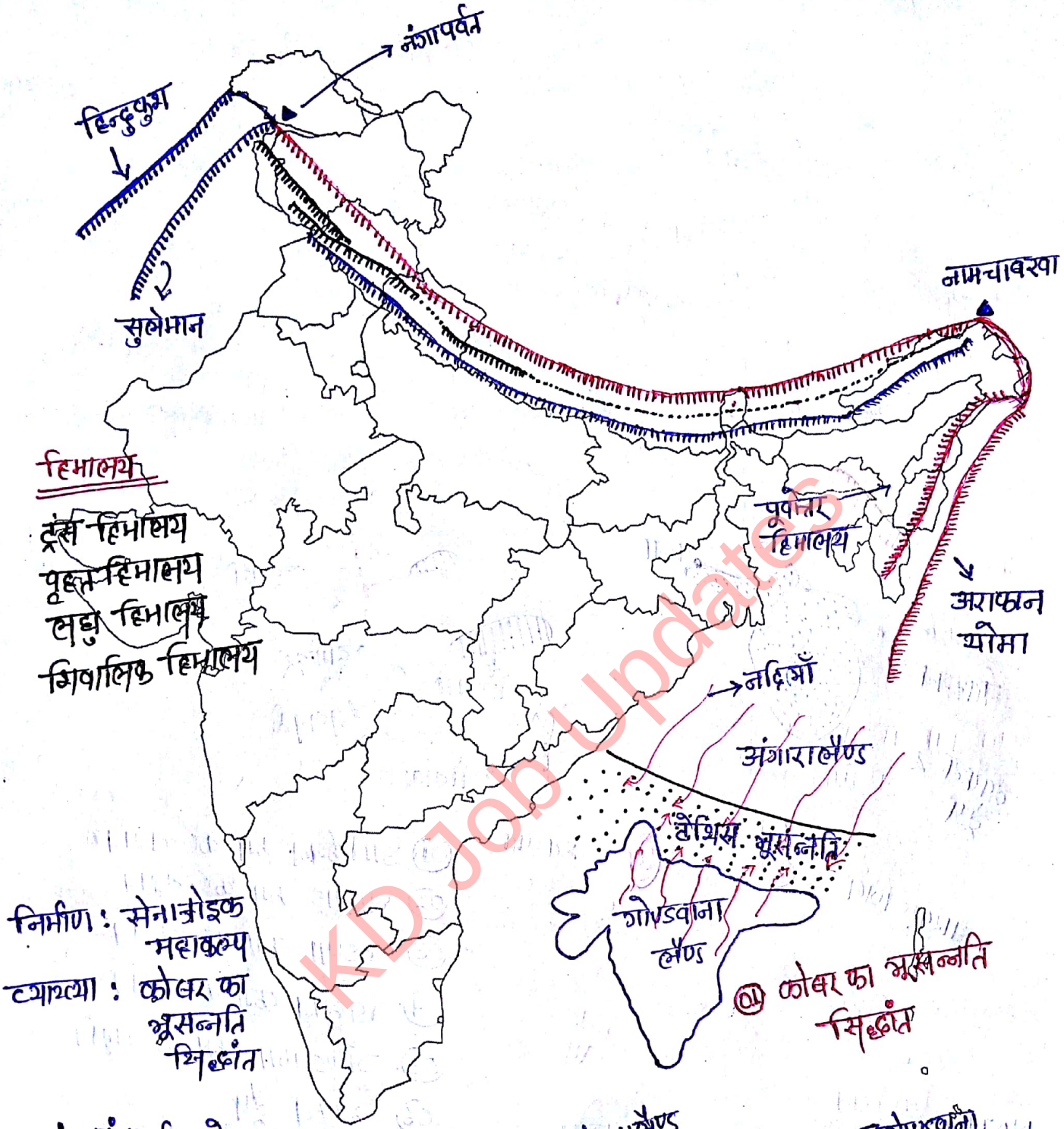

KD Job Updates

1. नंगापर्वत से नमचावरवा 2500km
2. पूर्व में हिमालय सकड़ा, ऊँचाई ज्यादा
3. पश्चिम में हिमालय चौड़ा, ऊँचाई कम
4. विस्तृत 5 लाख वर्ग किमी.
5. पूर्वोत्तर राज्य में हिमालय का अलग-अलग नाम

   मिजोरम → मिजो
   मणिपुर → मणिपुर
   नागालैंड → नागा
   अरुणाचल प्र. → पटकोई बुम पहाड़

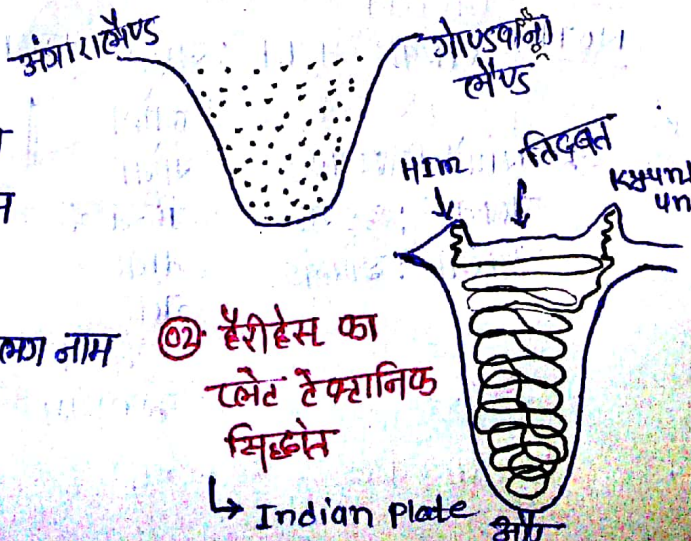

② हैरीहेस का प्लेट टेक्टानिक सिद्धांत
↳ Indian Plate और यूरेशियन प्लेट के टकराने से

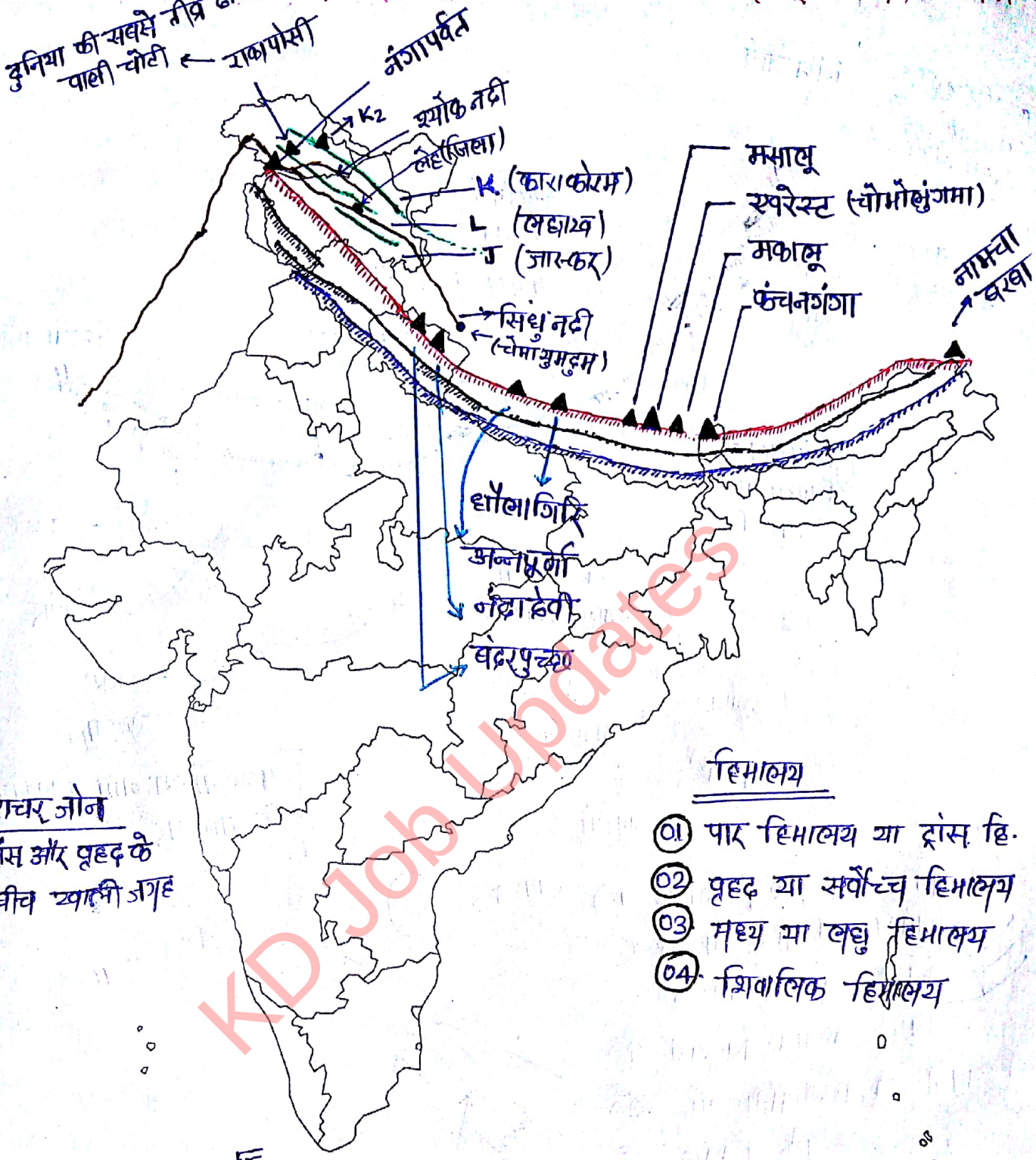

शटर ज़ोन
ट्रांस और वृहद के बीच खाली जगह

हिमालय
01. पार हिमालय या ट्रांस हि.
02. वृहद या सर्वोच्च हिमालय
03. मध्य या लघु हिमालय
04. शिवालिक हिमालय

NOTE
काराकोरम श्रेणी
* ग्लेसियर ④+1
- ससाझ्मी
- सियाचीन
- हिस्पर
- बियाफो
- बालटोरा

* तिब्बत में काराकोरम श्रेणी को कैलाश श्रेणी कहते हैं

01. एवरेस्ट — नेपाल
02. कंचनजंगा — सिक्किम (भारत)
03. मकालू — नेपाल
04. धौलागिरि — नेपाल
05. अन्नपूर्णा — नेपाल
06. नामचाबरवा — तिब्बत
07. नंदादेवी, त्रिशूल, चन्द्रपुच्छ, बद्रीनाथ — उत्तराखंड

GEOGRAPHY INDIAN CH-07 लघु हिमालय और शिवालिक श्रेणी

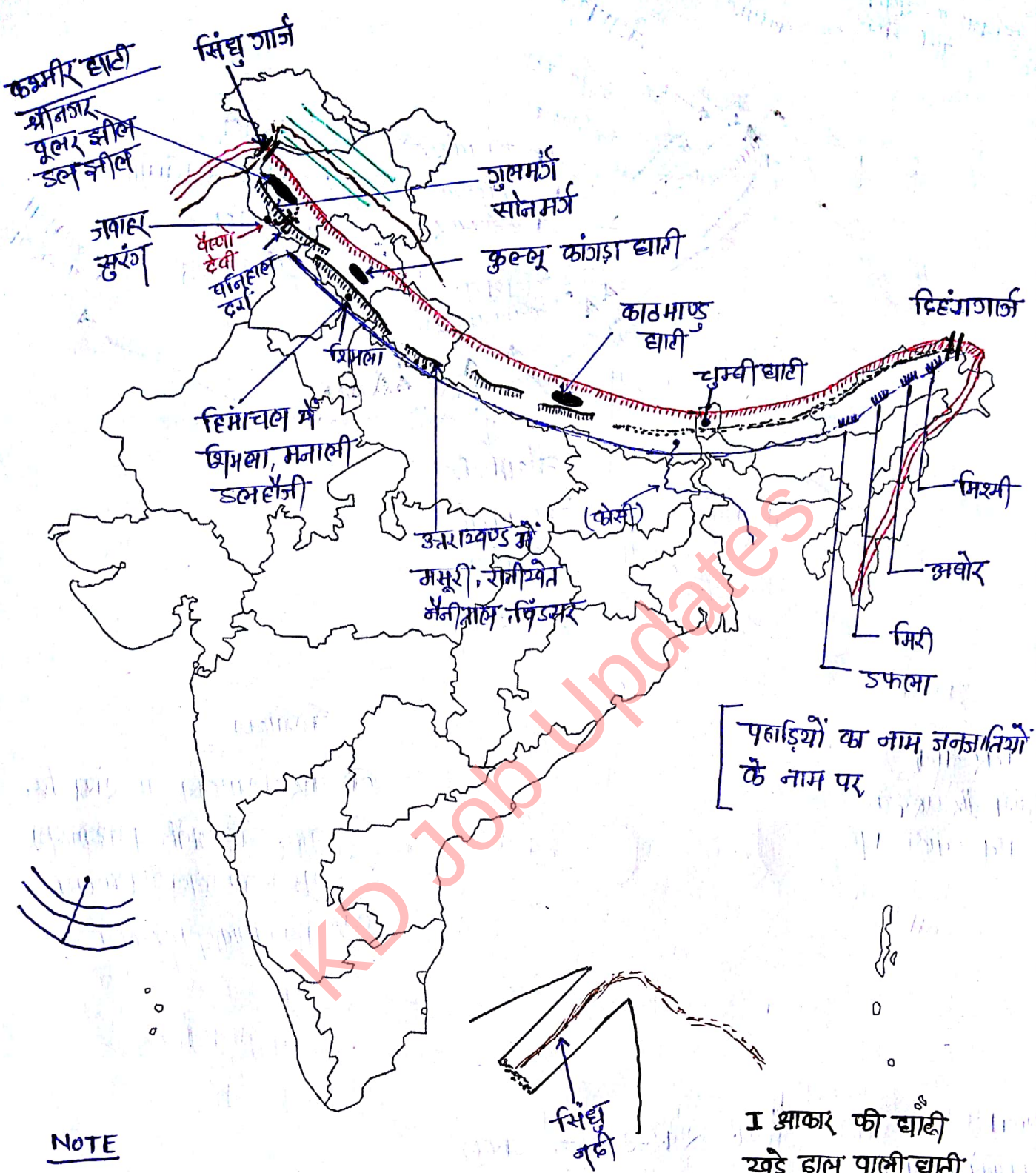

KD Job Updates

NOTE

शीतोष्ण मुलायम घास के मैदान

* जम्मू कश्मीर में मर्ग
* उत्तराखंड में बुग्याल और पयार

लघु और शिवालिक के बीच घाटी (समतल सपाट मैदान)

दून और द्वार

GEOGRAPHY INDIAN CH-08 : पूर्वोत्तर भारत की पहाड़ियाँ और हिमालय का विभाजन नदियों के आधार पर।

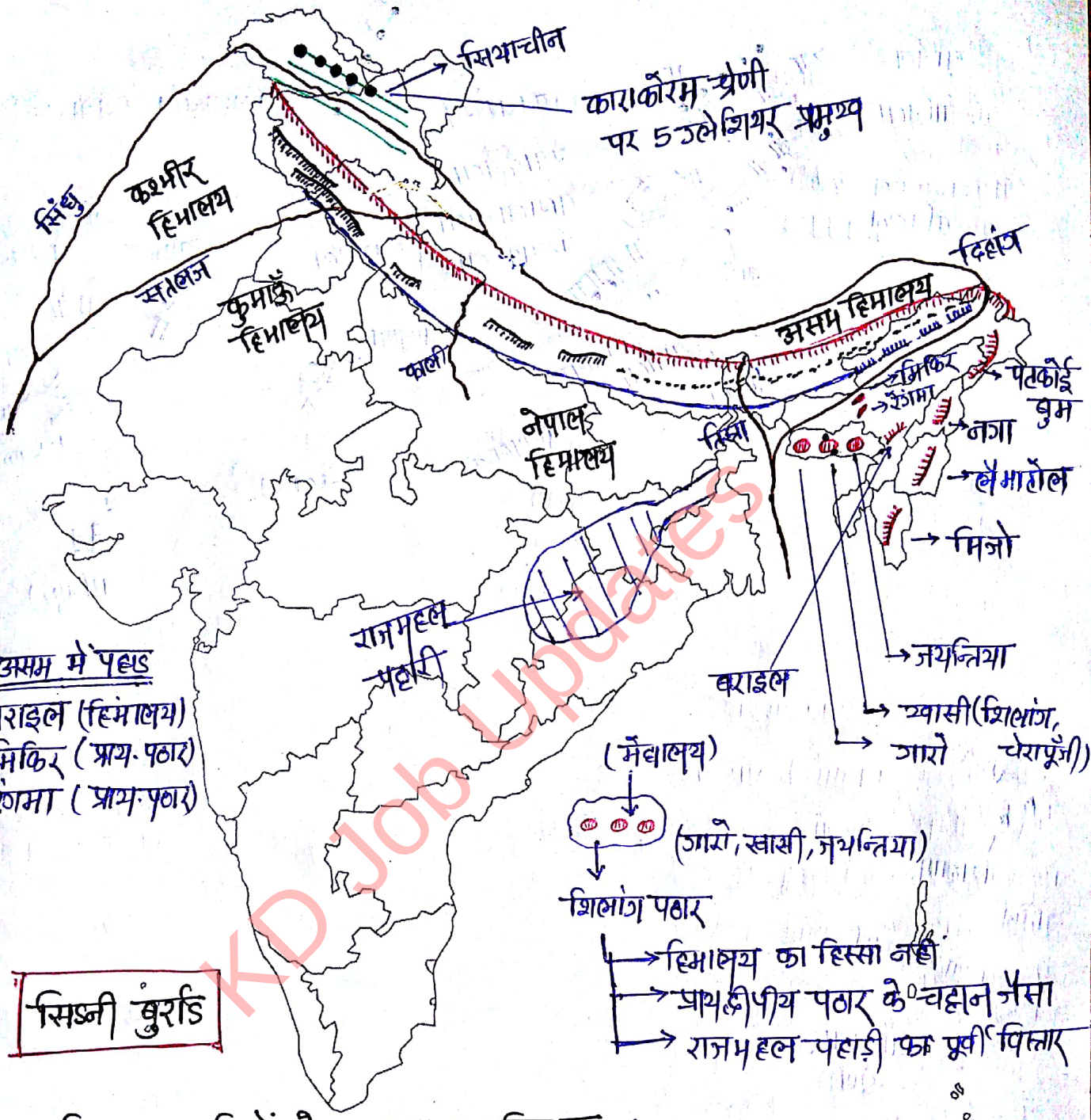

KD Job Updates

हिमालय नदियों के आधार पर विभाजन :—

01. कश्मीर या पंजाब हिमालय (सिंधु और सतलज नदी के बीच)
02. कुमाऊँ हिमालय (सतलज नदी और काली नदी के बीच)
03. नेपाल हिमालय (काली नदी और तिस्ता नदी के बीच)
04. असम हिमालय (तिस्ता नदी और दिहांग नदी के बीच)

NOTE राजमहल गारो गैप को मालदा गैप भी कहते हैं।

GEOGRAPHY INDIAN CH-09 : हिमालय के दर्रे और ग्लेशियर

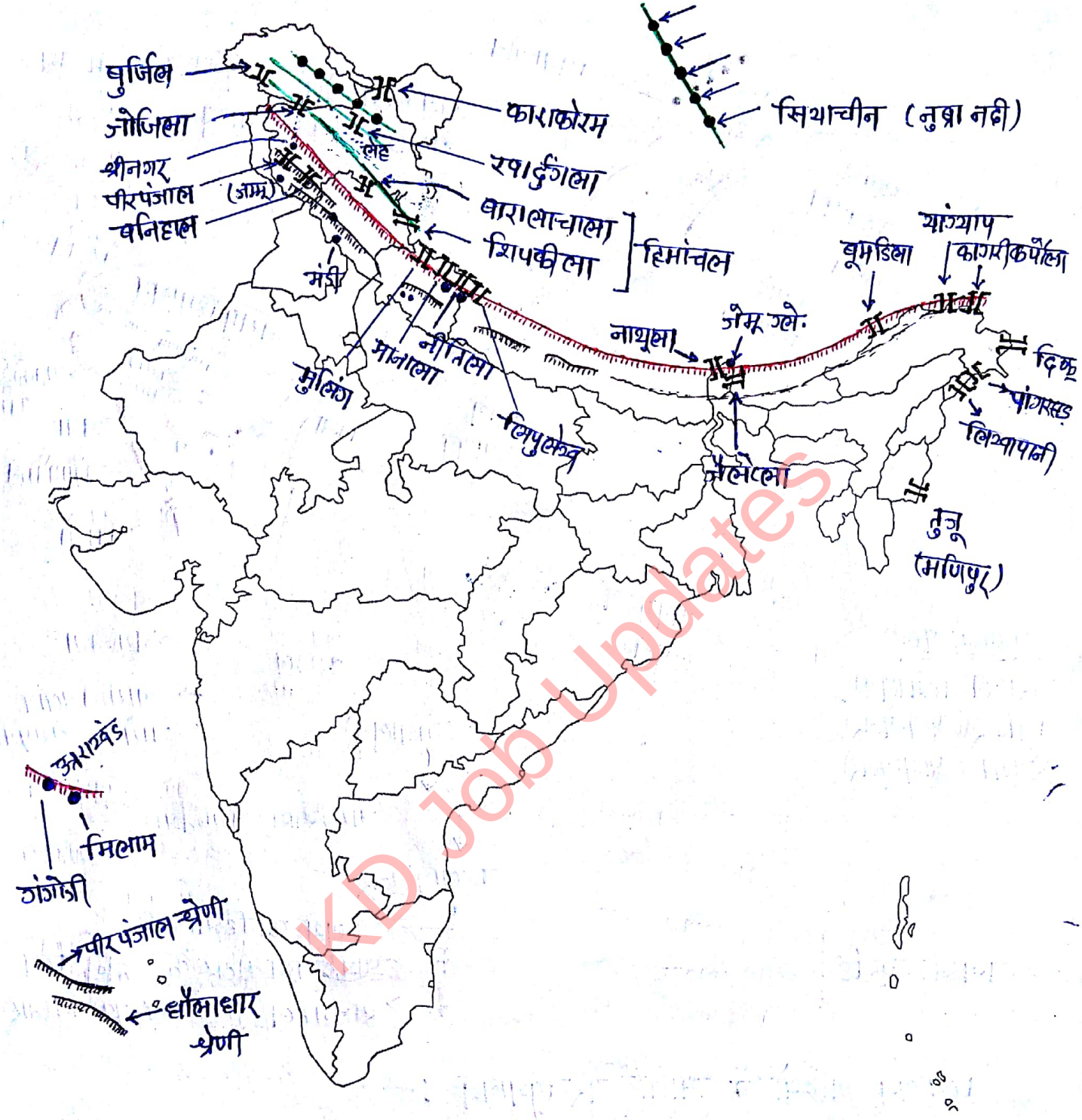

KD Job Updates

NOTE पूर्वोत्तर भारत के लोग प्रजातीय रूप से चाइना के प्रजाति (मंगोलायड) से मिलती है।

जवाहर सुरंग बनिहाल दर्रे में स्थित है।

NH 1A जम्मू to श्रीनगर via बनिहाल दर्रा जवाहर सुरंग

GEOGRAPHY INDIAN CH-10 प्रायद्वीपीय भारत का पठार

मालवा पठार

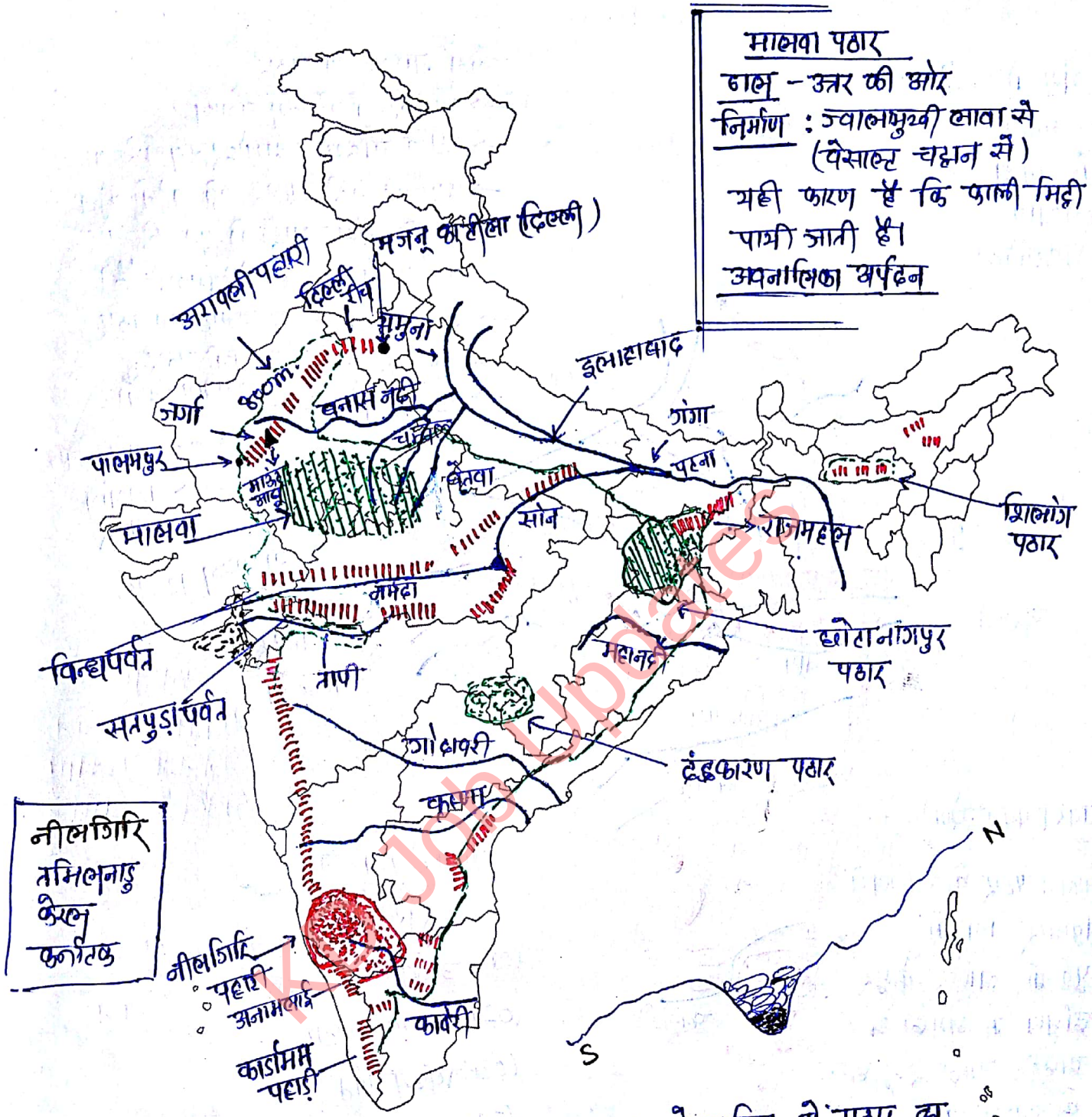

ढाल – उत्तर की ओर

निर्माण : ज्वालामुखी लावा से (बेसाल्ट चट्टान से)

यही कारण है कि काली मिट्टी पायी जाती है।

अपनालिका अपर्दन

* प्रायद्वीपीय भारत पठारी गोंडवाना लैंड का हिस्सा अफ्रीका से टूट कर अलग, यह हिमालय से भी पुराना।

* पठार का उत्तरी हिस्सा का ढाल गंगा की ओर यानि उत्तरी ढाल – चम्बल, बेतवा, सोन

* अरावली दुनिया का सबसे पुराना विशाल वलित पर्वत

* सतपुड़ा पहाड़ के दक्षिण में पठार का ढाल पूर्व की ओर महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी पूर्व की ओर बहते हुये बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

* नर्मदा और तापी नदियों के भ्रंसघाटी खंभात की खाड़ी की ओर

* पूर्वी और पश्चिमी घाट मिलकर गांठ का निर्माण called नीलगिरी पर्वत

भ्रंस में बहने वाली नदियाँ
(01) नर्मदा
(02) तापी
(03) दामोदर

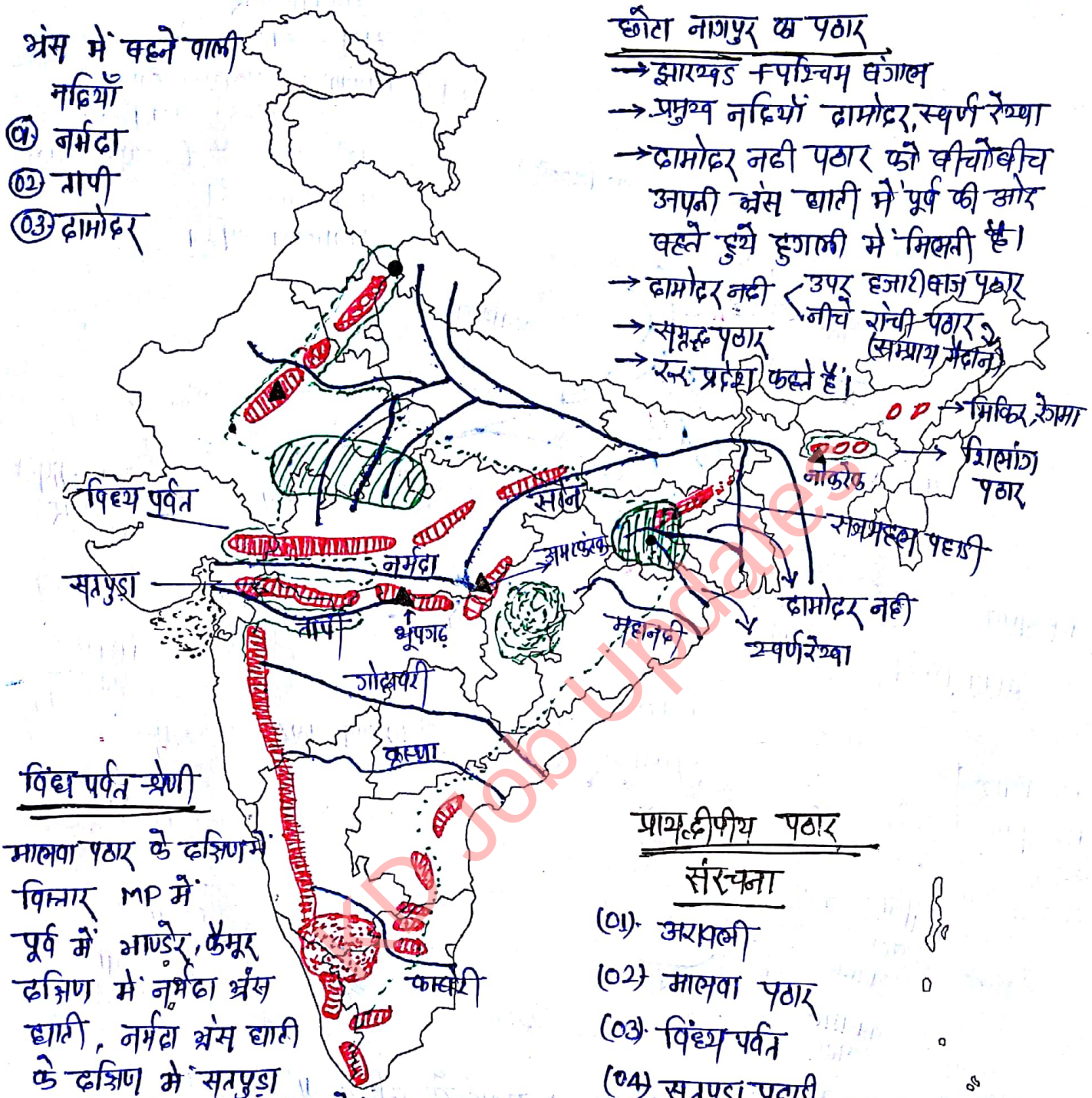

छोटा नागपुर का पठार

→ झारखण्ड + पश्चिम बंगाल
→ प्रमुख नदियाँ दामोदर, स्वर्ण रेखा
→ दामोदर नदी पठार को बीचोंबीच अपनी भ्रंस घाटी में पूर्व की ओर बहते हुये हुगली में मिलती है।
→ दामोदर नदी < उपर हजारीबाग पठार, नीचे रांची पठार (सम्प्राय मैदान)
→ समृद्ध पठार
→ रूर प्रदेश कहते हैं।

विंध्य पर्वत श्रेणी

मालवा पठार के दक्षिण में विस्तार MP में
पूर्व में भाण्डेर, कैमूर
दक्षिण में नर्मदा भ्रंस घाटी, नर्मदा भ्रंस घाटी के दक्षिण में सतपुड़ा पहाड़ी और इसके दक्षिण में तापी भ्रंस घाटी है।

सतपुड़ा पर्वत / श्रेणी

* एक मात्र ब्लाक पर्वत
* दो भ्रंस घाटी में स्थित पर्वत called ब्लॉक
* पश्चिम से पूर्व राजपीपला, महादेव, मैकाल
  - महादेव → धूपगढ़ चोटी
  - मैकाल → अमरकंटक
* पंचमढ़ी हिल स्टेशन (धूपगढ़ चोटी के पास स्थित)

प्रायद्वीपीय पठार

संरचना

(01) अरावली
(02) मालवा पठार
(03) विंध्य पर्वत
(04) सतपुड़ा पहाड़ी
(05) छोटा नागपुर पठार
(06) पश्चिमी घाट पर्वत
(07) पूर्वी घाट पर्वत
(08) नीलगिरी पहारी
(09) दक्कन का पठार
(10) अन्नामलाई
(11) कार्डामम पहाड़ी

GEOGRAPHY INDIAN CH-12 : प्रायद्वीपीय पठार

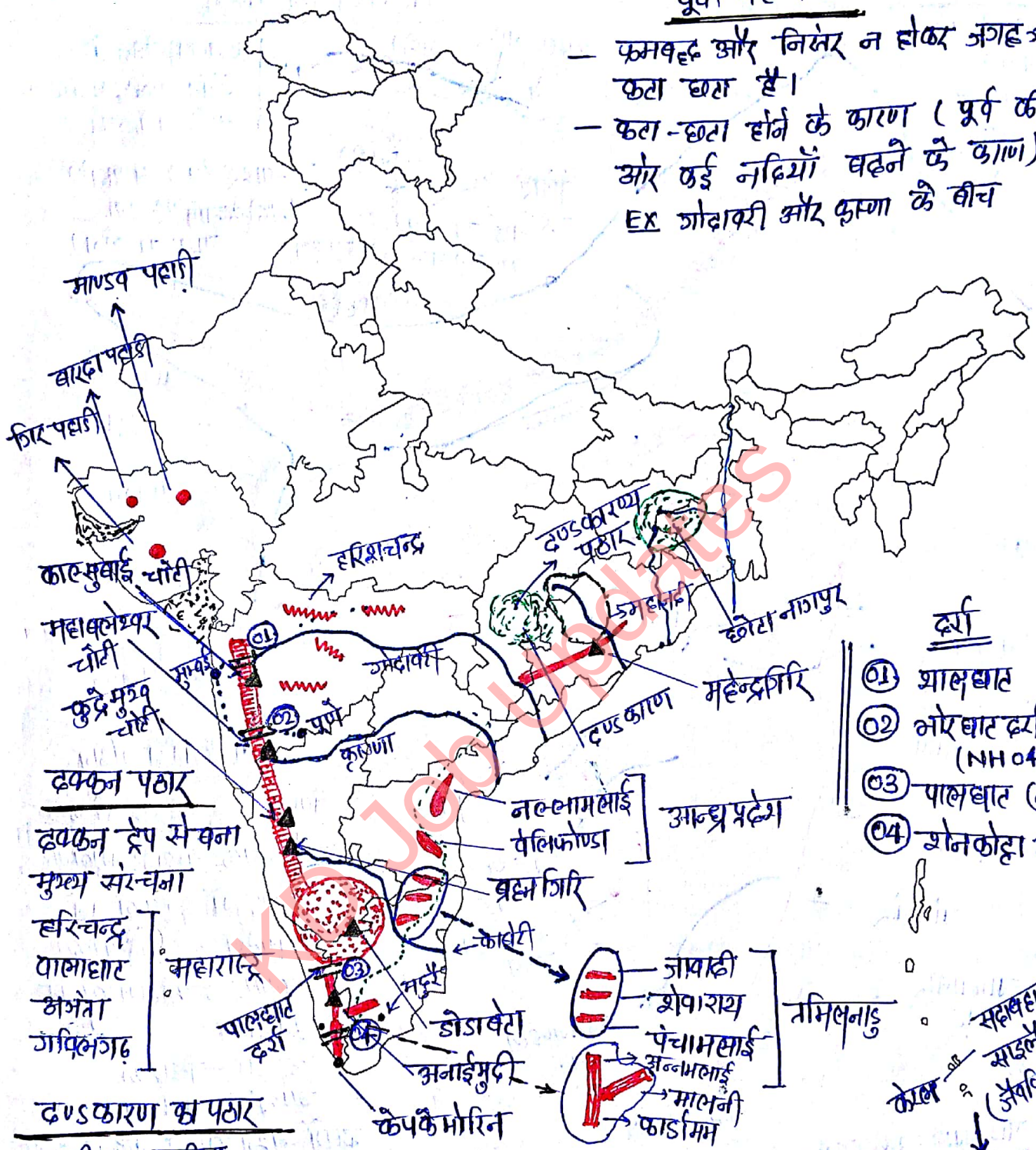

पूर्वी घाट पर्वत

- क्रमबद्ध और निरंतर न होकर जगह जगह कटा छटा है।
- कटा-छटा होने के कारण (पूर्व की ओर कई नदियाँ बहने के कारण)
  EX गोदावरी और कृष्णा के बीच

दर्रा

01. थालघाट
02. भोरघाट दर्रा (NH 04)
03. पालघाट (केरल)
04. शेनकोट्टा गैप

दक्कन पठार

दक्कन ट्रैप से बना
मुख्य संरचना
- हरिश्चन्द्र
- बालाघाट
- अजंता
- गाविलगढ़

} महाराष्ट्र

दण्डकारण का पठार

छत्तीसगढ़ उड़ीसा
बस्तर का पठार (दक्षिण में)

महानदी बेसिन

छत्तीसगढ़ राज्य मे घाटी प्रायद्वीपीय पठार के मध्य अर्थात दण्डकारण के उत्तर और छोटानागपुर के दक्षिण में धान के लिए विश्वप्रसिद्ध

पश्चिमी घाट पर्वत

विस्तार 1600 km (दूसरा सबसे लंबा)
ताप्ती नदी मुहाने से केपकेमोरिन
भारत का सबसे लम्बा पर्वत
अन्य नाम सह्याद्रि भी कहते
यह पर्वत न होकर प्रायद्वीपीय पठार का भ्रंश कगार है

केरल : सदाबहार वन
साइलेंट वैली (जैवविविधता)
↓

पर्वतीय गांठ

नीलगिरी पर्वत
ऊँची चोटी (डोडाबेटा)
↓
दक्षिण भारत का दूसरा सबसे ऊँची था ऊटकमंडम
नीलगिरि (तमिल) (पर्यटन)

KD Job Updates

उत्तर भारत का मैदान

01 भावर प्रदेश
02 तराई
03 बांगर
04 खादर

पूर्वी तटीय मैदान

विस्तार : हुगली नदी से कन्या.
सर्वाधिक चौड़ाई : तमिलनाडु
उड़ीसा में उत्कल तट
आंध्रप्रदेश : उत्तरी सरकार
तमिलनाडु : कोरोमंडल तट

लैगून झील
उड़ीसा – चिल्का
आंध्र – पुलीकट
इसमें बहने वाली नदियाँ डेल्टा निर्माण

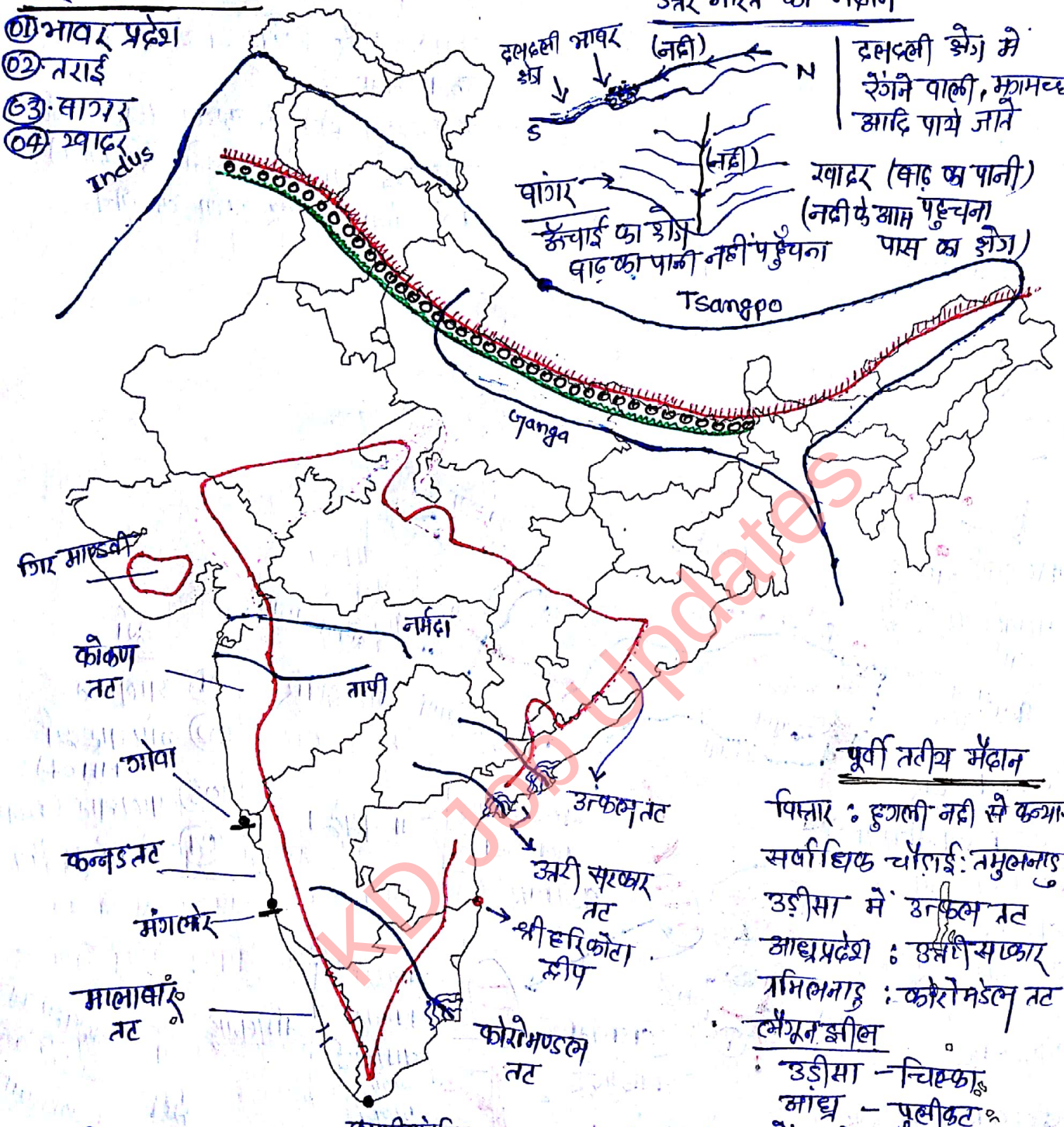

पश्चिमी तटीय मैदान

कोकण तट : गुजरात से गोवा
कन्नड तट : गोवा से मंगलौर (कर्नाटक)
मालाबार तट : मंगलौर से कन्याकुमारी

NOTE मालाबार तट पर कई लैगून झील पाये जाते है।

EX वेम्बानाड झील
अष्टामुदी झील

लैगून झीलें

एस्चुअरी (ज्वारनदमुख)
माण्डवी, जुआरी] गोवा
शरावती] कर्नाटक

पहाडो की ढाल समुद्र की नदियों से संघर्ष नदियों का तेज बहना

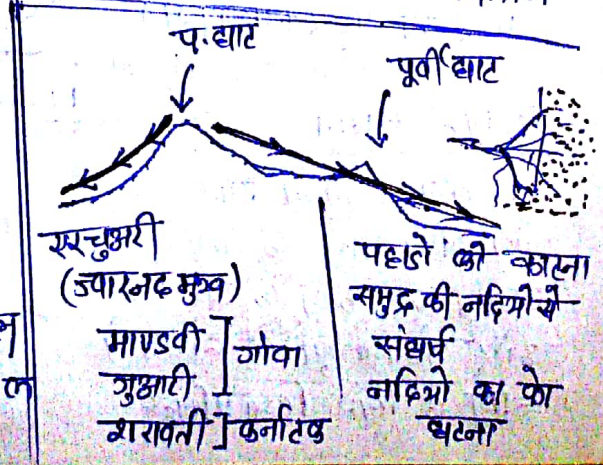

पूर्ववर्ती नदियाँ

1. सिंधु
2. सतलज
3. ब्रह्मपुत्र

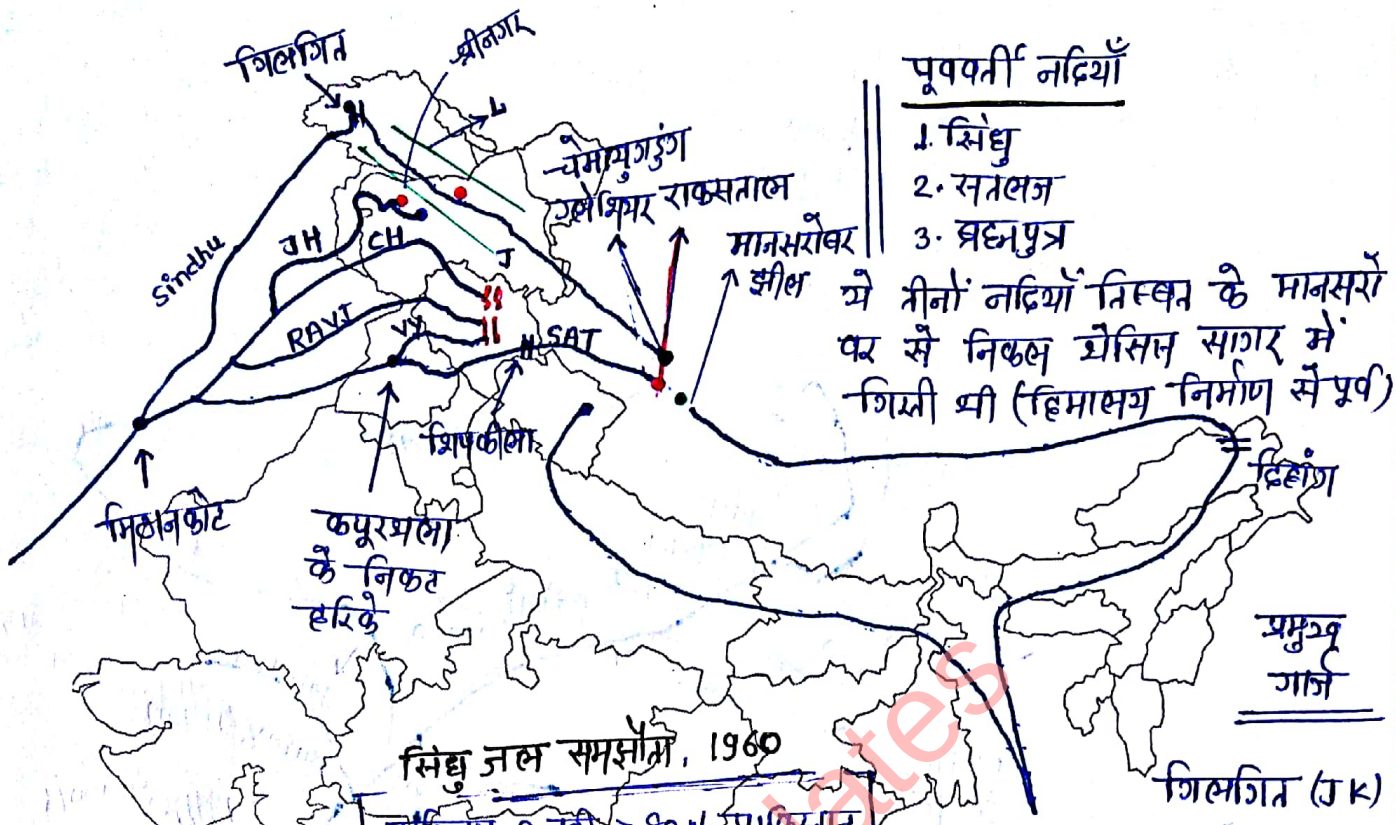

ये तीनों नदियाँ तिब्बत के मानसरोवर से निकल टेथिस सागर में गिरती थी (हिमालय निर्माण से पूर्व)

प्रमुख गार्ज

- गिलगित (J K)
- शिपकीला (हि.)
- दिहांग (अरु.)

सिंधु जल समझौता, 1960

- पश्चिम 3 नदी → 80% पाकिस्तान
- पूर्व की 3 नदी → 80% भारत

छः भारत की लंबी नदी

(1) ब्रह्मपुत्र 2900 Km
(2) सिंधु 2880 Km
(3) गंगा 2525 Km
(4) सतलज 1500 Km
(5) गोदावरी 1465 Km
(6) यमुना 1385 Km

विवरण

अंतर्राष्ट्रीय नदियाँ
- सिंधु : चीन, भारत, पाक
- सतलज : चीन, भारत, पाक
- ब्रह्मपुत्र : चीन, भारत, बांग्लादेश

सिंधु नदी की अन्य छोटी सहायक नदियाँ

[जास्कर, श्यांग, शिगार, गिलगित] बायीं तट पर आकर मि.

[श्योक, काबुल, कुर्रम, गोमल] दायीं तट पर आकर मिलती

सिंधु नदी तंत्र

मुख्य नदी : सिंधु
बाये तट पर 5 सहायक नदी

सिंधु → झेलम → चिनाब → रावी → व्यास → सतलज

* 2 नदियाँ तिब्बत के मानसरोवर से निकलती
* झेलम जम्मूकश्मीर, शेष 3 हिमाचल प्रदेश से निकलती
* पंचनद (सहायक नदियाँ) – पंजाब में बहनेवाली

उद्गम

- सिंधु – चेमायुगडुंग ग्लेशियर
- सतलज – राकसताल
- झेलम – बेरीनाग के समीप शेषनाग झील से
- चेनाब – बारालाचाला दर्रे के समीप
- रावी, व्यास – रोहतांग दर्रे के समीप

KD Job Updates

गंगा के तट पर सहायक नदियाँ

दायी तट पर : यमुना, चंबल, सिंध, बेतवा, केन, टोन, सोन

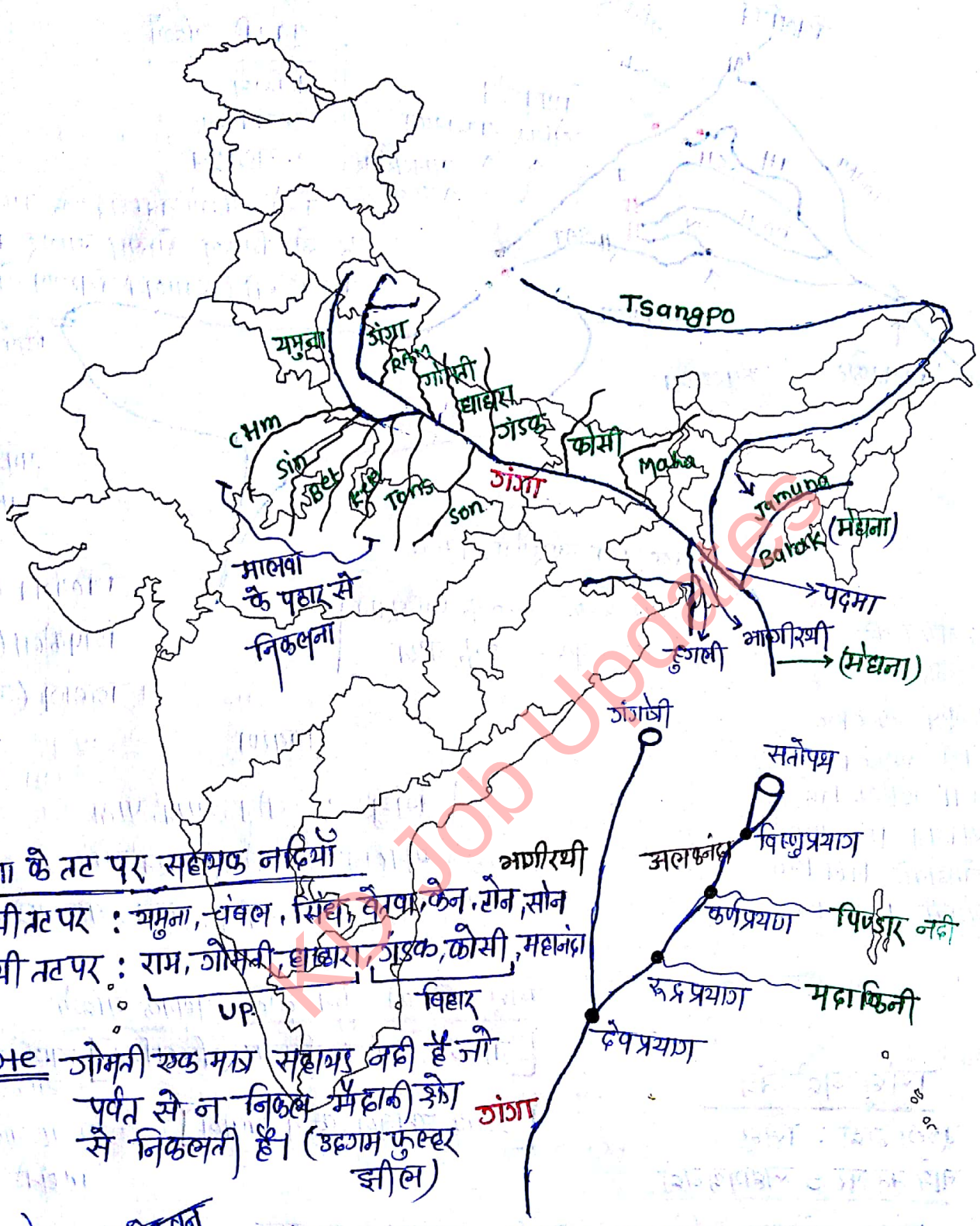

बायी तट पर : राम, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा
(राम, गोमती, घाघरा — UP; गंडक, कोसी — बिहार)

Note : गोमती एक मात्र सहायक नदी है जो पर्वत से न निकल मैदानी क्षेत्र से निकलती है। (उद्गम फुल्हर झील)

मैंग्रोवा
कैसुरीना
सुन्दरी

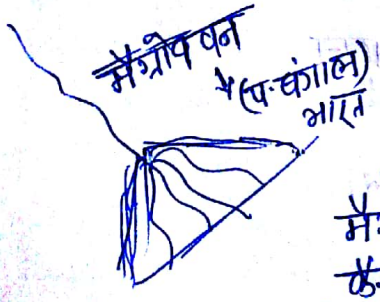

यमुना : गंगा की हिमालयी सहायक नदी जो दायें ओर मिलती है।
: गंगा की सबसे लंबी सहायक
: उत्तराखंड के बंदरपूछ चोटी पर यमुनोत्री से निकलती है प्रयाग में गंगा से मिलती है।

GEOGRAPHY INDIAN CH-16 BRAHMPUTRA RIVER

ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी

- दिबांग
- लोहित
- धनश्री
- सुबानसिरी
- जियाभरेली
- पगलादिया
- मानस
- तिस्ता
- पिम्पमारी

ब्रह्मपुत्र नदी

- Tsangpo → चीन (तिब्बत)
- दिहंग → अरुणाचल प्रदेश
- ब्रह्मपुत्र → असम
- जमुना → बांग्लादेश

NOTE

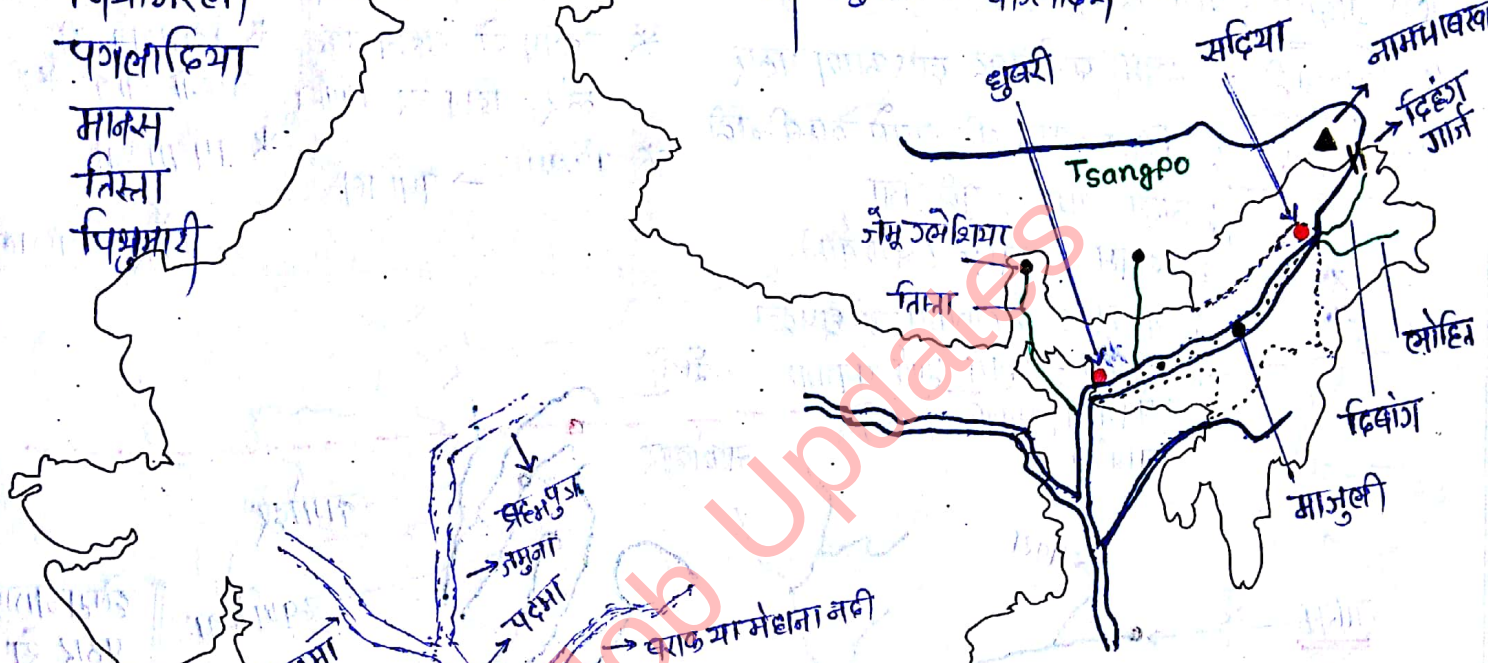

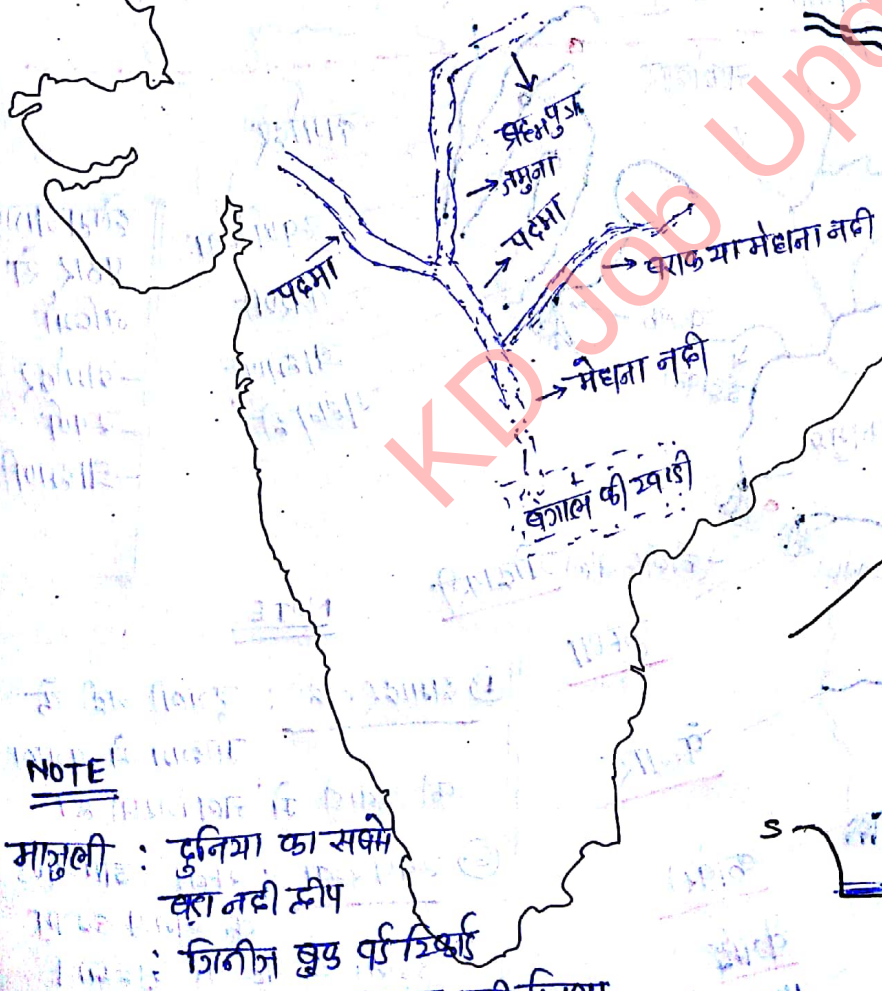

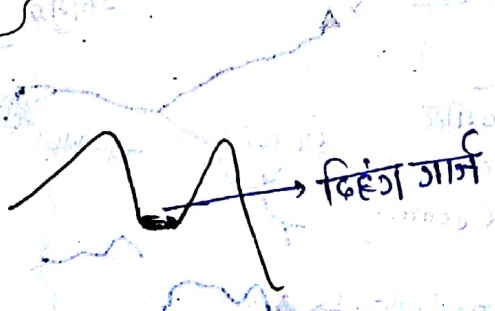

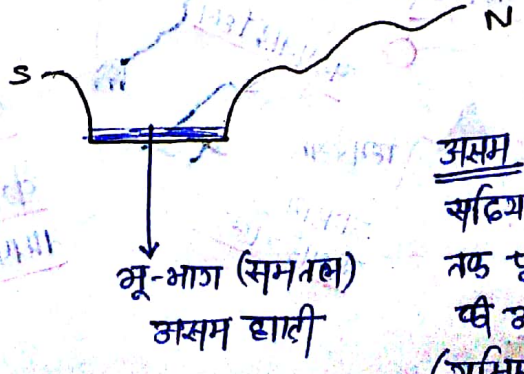

माजुली : दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप
: गिनीज बुक में रिकार्ड
: भारत का एकमात्र नदी जिला

असम

सदिया से धुबरी तक पूर्व से पश्चिम की ओर प्रवाहित (गुम्फित जलमार्ग) [माजुली नदी द्वीप]

KD Job Updates

GEOGRAPHY INDIAN CH-17 : RIVER IN SOUTH INDIA

प्रायद्वीपीय पठार में बहने वाली नदियां
[1] बंगाल की खाड़ी में जल गिराने वाली
[2] अरब सागर में जल गिराने वाली

प्रायद्वीपीय नदियाँ	और हिमालय नदियाँ
* पुरानी नदियाँ।	* नया नदियाँ
* प्रौढ़ावस्था	* युवा वस्था
* कठोर पठारी संरचना द्वारा नियंत्रित है।	* उत्तर भारत मैदान में पहुँचकर विर्सपण करते रास्ता बदलते चलती
* मार्ग लगभग निश्चित	* हिमालय की नदियाँ लम्बी हैं
* उद्गम से मुहाने तक कठोर चट्टान पर प्रवाहित	* सर्वपाहिनी → ग्लेशियर, वर्षाजल
* मौसमी → वर्षाजल	

NOTE

(03) **वैतरणी** : उद्गम उड़ीसा के क्योंझर पठार
(04) **ब्राह्मणी** : राँची के समीप, उड़ीसा तट पर मुहाना
(05) **महानदी** : उद्गम छत्तीसगढ़ दण्डकारण्य पठार
(06) **गोदावरी** : दक्षिण भारत की सबसे लम्बी नदी
: अन्य नाम : बूढ़ी गंगा
: उद्गम : नासिक (त्र्यम्बक)
: महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश
: सहायक - प्रवरा, पूर्णा, पेनगंगा, पेनगंगा, प्राणहिता, इंद्रावती, मंजीरा

छोटा नागपुर पठार से नदियाँ
- दामोदर
- स्वर्ण
- ब्राह्मणी

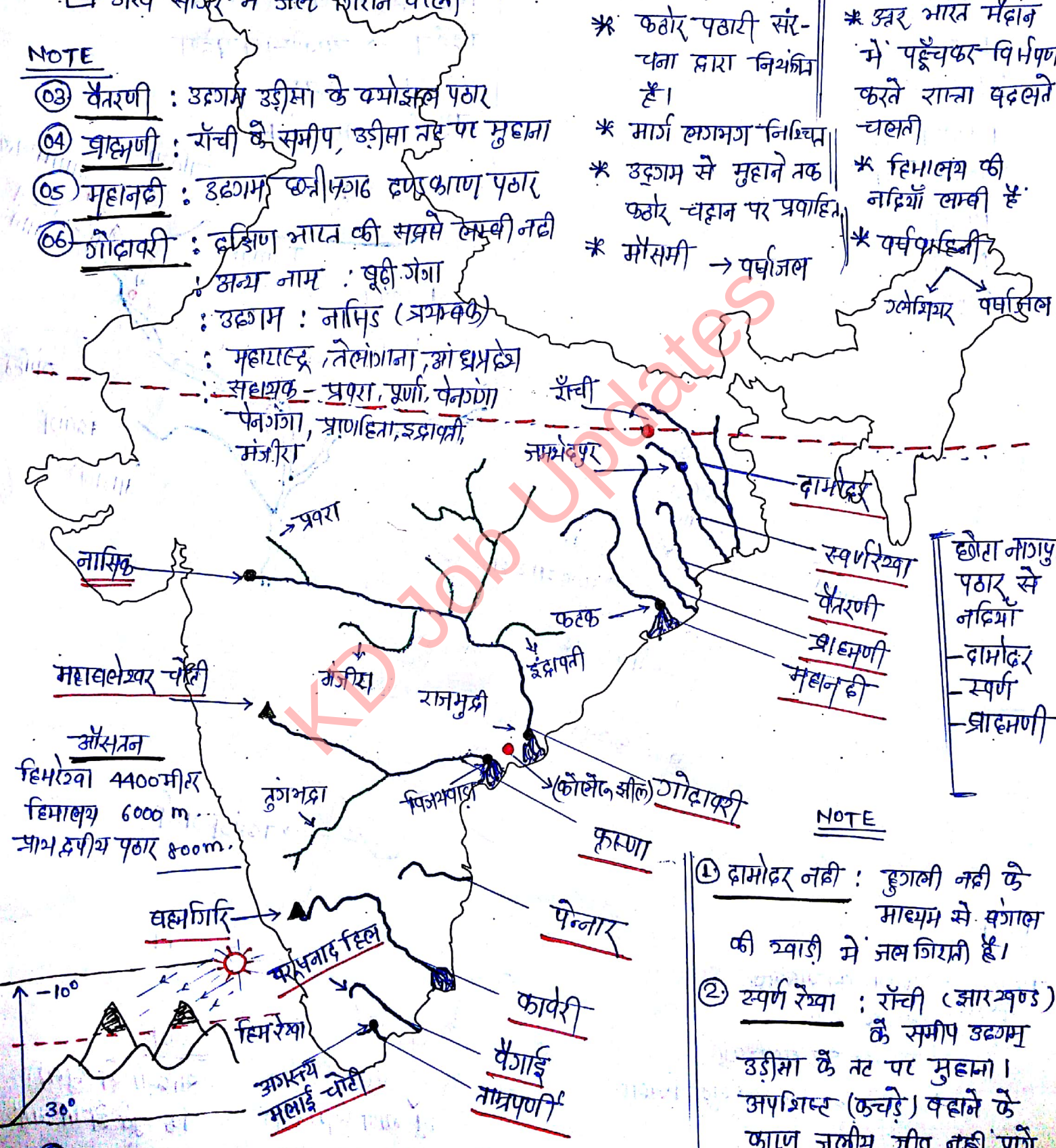

औसतन
हिमरेखा 4400 मीटर
हिमालय 6000 m
प्रायद्वीपीय पठार 800 m.

NOTE

① **दामोदर नदी** : हुगली नदी के माध्यम से बंगाल की खाड़ी में जल गिराती है।

② **स्वर्ण रेखा** : राँची (झारखण्ड) के समीप उद्गम उड़ीसा के तट पर मुहाना। अपशिष्ट (कचड़े) बहाने के कारण जलीय जीव नहीं पाये जाते इसे जैविक मरुस्थल भी कहते हैं।

(07) **कृष्णा**

(07) **कृष्णा** : महाबलेश्वर चोटी (उद्गम)
: महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश
: विजयवाड़ा के समीप डेल्टा
: सहायक नदी : तुंगभद्रा, घाटप्रभा, मालप्रभा, दूधगंगा, पंचगंगा, भीमा, कोयना, मूसी
: हैदराबाद : मूसी नदी के तट पर स्थित

(08) **पेन्नार** : कृष्णा और कावेरी के मध्य मे
: उद्गम : कोलार (कर्नाटक)

(09) **कावेरी नदी** : ब्रह्मगिरि पहाड़ी या पुष्पगिरि पहाड़ी (उद्गम)
: कर्नाटक, तमिलनाडु
: दक्षिण गंगा या दक्षिण भारत की गंगा कहते हैं।
: धान उत्पादन हेतु प्रसिद्ध
: दक्षिण भारत के धान का कटोरा
: जलग्रहण विस्तृत क्षेत्र : तमिलनाडु
कर्नाटक
केरल
आंध्रप्रदेश (अविभाजित) → (तेलंगाना) (नया)
: **सहायक नदी** : शिमसा, अर्कावती, हेमवती, अमरावती, काबीनी, भवानी, लक्ष्मणतीर्थ, लोकपावनी
: **वर्षवाहिनी** → स्रोत → ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम मानसून
→ निचले जलग्रहण क्षेत्र मे कोरोमण्डल तट पर उत्तर पूर्वी मानसून से।

(10) **वैगाई नदी** : तमिलनाडु (वरुषनाद हिल, उद्गम)
: मदुरई (स्थित)
: मुहाना (रामेश्वरम द्वीप के पास)

(11) **ताम्रपर्णी नदी** : फाडामम या इलायची पहारी से (अगस्त्यमलाई चोटी) उद्गम
: मुहाना : मन्नार की खाड़ी

GEOGRAPHY INDIAN CH-18 ARAB SAGAR में गिरने wali दक्षिण भारत की नदियाँ

अरब सागर जल गिराने वाली प्रायद्वीपीय नदियाँ : क्रम : लूनी → साबरमती → माही → नर्मदा → तापी → माण्डवी → ज्वारी → Sharawati → Gangaveli → Periyar → Bhartpuja

खंभात की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ

साबरमती, माही, नर्मदा, तापी (4)

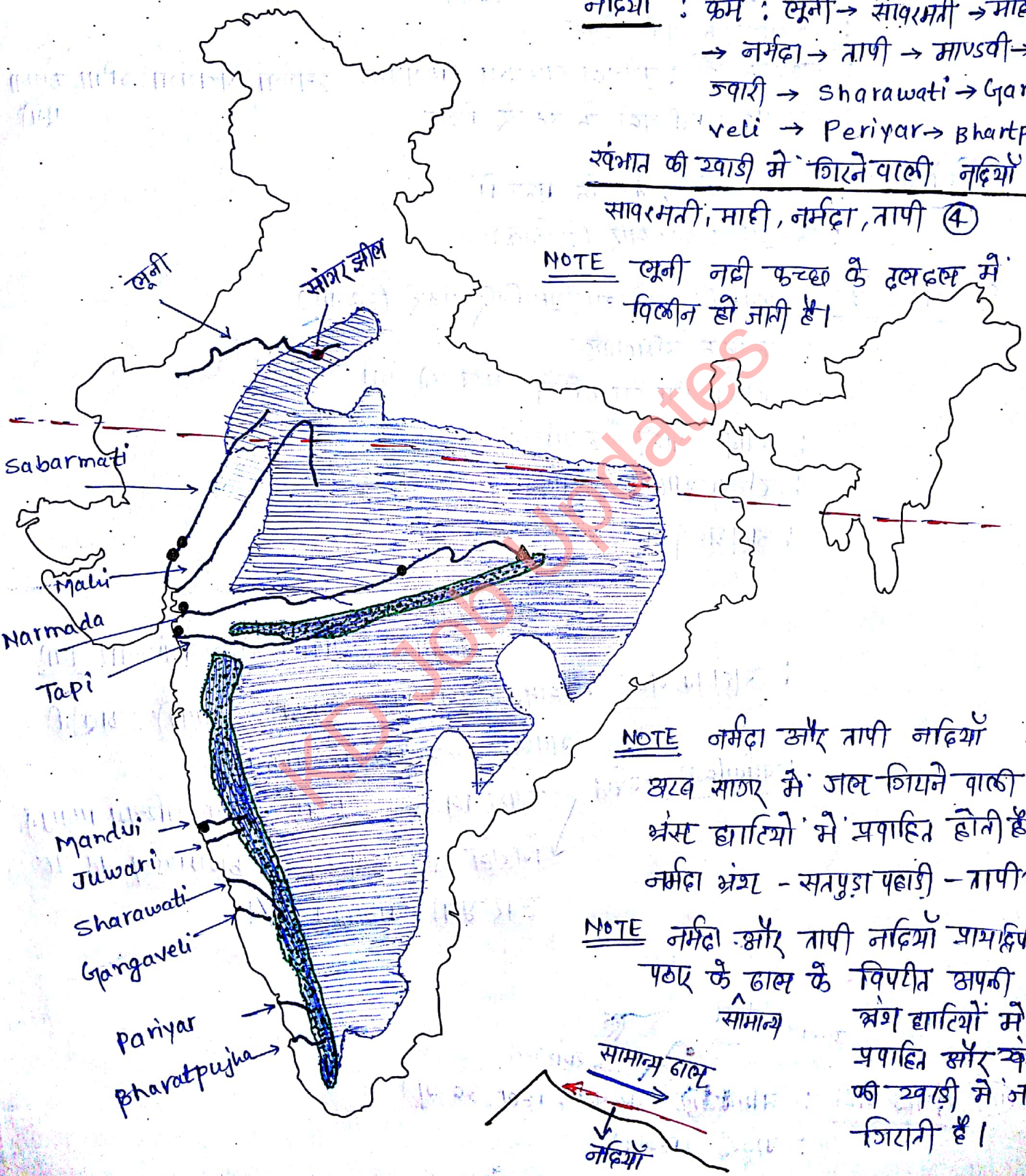

NOTE लूनी नदी कच्छ के दलदल में विलीन हो जाती है।

KD Job Updates

NOTE नर्मदा और तापी नदियाँ अरब सागर में जल गिराने वाली भ्रंश घाटियों में प्रवाहित होती हैं।

नर्मदा भ्रंश - सतपुड़ा पहाड़ी - तापी भ्रंश

NOTE नर्मदा और तापी नदियाँ प्रायद्वीपीय पठार के सामान्य ढाल के विपरीत अपनी भ्रंश घाटियों में प्रवाहित और खंभात की खाड़ी में जल गिराती हैं।